Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti Lyrics in Hindi English

Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti Lyrics in Hindi

जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।
सत्यनारायण स्वामी,
जन पातक हरणा ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

रत्न जड़ित सिंहासन,
अद्भुत छवि राजै ।
नारद करत निराजन,
घण्टा ध्वनि बाजै ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

प्रकट भये कलि कारण,
द्विज को दर्श दियो ।
बूढ़ा ब्राह्मण बनकर,
कंचन महल कियो ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

दुर्बल भील कठारो,
जिन पर कृपा करी ।
चन्द्रचूड़ एक राजा,
तिनकी विपत्ति हरी ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

वैश्य मनोरथ पायो,
श्रद्धा तज दीन्ही ।
सो फल भोग्यो प्रभुजी,
फिर-स्तुति कीन्हीं ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

भाव भक्ति के कारण,
छिन-छिन रूप धरयो ।
श्रद्धा धारण कीन्हीं,
तिनको काज सरयो ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

ग्वाल-बाल संग राजा,
वन में भक्ति करी ।
मनवांछित फल दीन्हों,
दीनदयाल हरी ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

चढ़त प्रसाद सवायो,
कदली फल, मेवा ।
धूप दीप तुलसी से,
राजी सत्यदेवा ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।

श्री सत्यनारायण जी की आरती,
जो कोई नर गावै ।
ऋद्धि-सिद्ध सुख-संपत्ति,
सहज रूप पावे ॥

जय लक्ष्मी रमणा,
स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।
सत्यनारायण स्वामी,
जन पातक हरणा ॥

Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti Lyrics in English

Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.
Satyanarayan Swami,
Jan Paatak Harana.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Ratna Jadhit Singhasan,
Adbhut Chhavi Raajai.
Narad Karat Nirajan,
Ghanta Dhvani Baajai.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Prakat Bhaye Kali Kaaran,
Dwija Ko Darsh Diyo.
Boodha Brahman Bankar,
Kanchan Mahal Kiyo.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Durbal Bhil Katharo,
Jin Par Kripa Kari.
Chandrachud Ek Raja,
Tinki Vipatti Hari.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Vaishya Manorath Payo,
Shraddha Taj Dheenhi.
So Phal Bhogyo Prabhuji,
Phir-Stuti Kihin.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Bhav Bhakti Ke Karan,
Chhin-Chhin Roop Dharyo.
Shraddha Dharan Kihin,
Tinko Kaaj Sarayo.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Gwal-Baal Sang Raja,
Van Mein Bhakti Kari.
Manvanshit Phal Dinho,
Deendayal Hari.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Chadhat Prasad Swayo,
Kadali Phal, Meva.
Dhoop Deep Tulsi Se,
Raaji Satyadeva.

Om Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.

Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti,
Jo Koi Nar Gaave.
Riddhi-Siddhi Sukh-Sampatti,
Sahaj Roop Paave.

Jai Lakshmi Ramana,
Swami Jai Lakshmi Ramana.
Satyanarayan Swami,
Jan Paatak Harana.

About Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti in English

“Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti” is a devotional hymn dedicated to Lord Satyanarayan, a form of Lord Vishnu who is worshipped for blessings related to prosperity, happiness, and spiritual growth. Lord Satyanarayan is revered for his divine truth (Satya) and his ability to bless devotees with success and well-being. The aarti praises Lord Satyanarayan for his eternal truth, wisdom, and his ability to remove all sins and obstacles in life.

The hymn begins with the invocation of Lord Satyanarayan’s divine presence and his role in protecting his devotees from all difficulties. It describes his radiant form and his ability to fulfill the wishes of his devotees. The aarti recounts various instances where Lord Satyanarayan’s blessings have transformed the lives of the devotees, like the tale of the poor Brahmin and the righteous king, who, through faith and devotion, were blessed with immense prosperity and success.

The aarti also emphasizes the importance of worshipping Lord Satyanarayan with devotion and sincerity to achieve happiness, wealth, and spiritual contentment. Singing “Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti” brings peace, prosperity, and divine blessings, making it an essential hymn for those seeking spiritual and material progress in their lives.

About Shri Satyanarayan Ji Ki Aarti in Hindi

“श्री सत्यनारायण जी की आरती” भगवान श्री सत्यनारायण के प्रति समर्पित एक महत्वपूर्ण भक्ति गीत है। भगवान सत्यनारायण, जो भगवान विष्णु के रूप में पूजे जाते हैं, सत्य और न्याय के प्रतीक माने जाते हैं। यह आरती भगवान सत्यनारायण की महिमा का गुणगान करती है और उनके आशीर्वाद की याचना करती है ताकि भक्तों के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास हो।

इस आरती में भगवान सत्यनारायण के दिव्य रूप और उनके द्वारा किए गए चमत्कारों का उल्लेख किया गया है। इसमें सत्य के पालन और भक्तों के दुखों का निवारण करने की उनकी शक्ति का वर्णन किया गया है। भगवान सत्यनारायण ने अपनी कृपा से कई भक्तों को कठिन परिस्थितियों से उबारा और उन्हें अपार समृद्धि और सुख दिया।

आरती के माध्यम से भक्त भगवान सत्यनारायण से आशीर्वाद की प्रार्थना करते हैं ताकि उनका जीवन सुखमय हो, सभी कठिनाइयाँ दूर हो जाएं और उन्हें संतुष्टि और शांति प्राप्त हो। इस आरती का गायन करने से भक्तों को मानसिक शांति, धन-संपत्ति और सुख की प्राप्ति होती है। यह आरती भगवान सत्यनारायण के प्रति श्रद्धा और भक्ति को प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।